स्वामी रामानंद तीर्थ
मराठवाडा विद्यापीठ, नांदेड
''ज्ञानतीर्थ'', विष्णुपुरी, नांदेड.

एम.फिल.(हिंदी)पाठ्यक्रम

जून २०१० से प्रारंभ

स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाडा विद्यापीठ, नांदेड

एम.फिल्. (हिंदी) पाठ्यक्रम

(जून २०१० से आगे)

==========

पाठ्यक्रम - १	अनुसंधान की प्रक्रिया : शोधतंत्र	अंक १०० (८०+२०)
पाठ्यक्रम - २	समीक्षा के विकसित मान तथा साहित्य और समवर्गी विद्याशाखाएँ	अंक १०० (८०+२०)
पाठ्यक्रम - ३	तुलनात्मक साहित्य	अंक १०० (८०+२०)
पाठ्यक्रम - ४	विधा, रचना या रचनाकार का प्रवृत्तिगत अध्ययन	अंक १०० (८०+२०)

(पाठ्यक्रम ४ में पाँच प्रश्न पत्र होंगे जो एक दूसरे के विकल्प में होंगे।
इनमें से प्रतिवर्ष एक नया प्रश्न पत्र लेना होगा।)

लघुशोध प्रबंध	अंक- १५०
मौखिकी	अंक-५०
सेमिनार	अंक-२५

	कुल अंक -६२५

स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाडा विद्यापीठ, नांदेड

एम.फिल्. (हिंदी) पाठ्यक्रम

(जून २०१० से आगे)

पाठ्यक्रम - १

==========

पाठ्यक्रम - १ अनुसंधान की प्रक्रिया : शोधतंत्र

क) शोधस्वरूप एवं महत्त्व

ख) शोध एवं आलोचना

ग) शोधकर्ता

घ) शोधनिर्देशक

च) प्राक्कल्पना

छ) शोधप्रबंध के अंग - पूर्वानुबंध, मध्यभाग, पश्चानुबंध

ज) उद्धरण

झ) पाद्टिप्पणी

ट) भाषा वैज्ञानिक शोध

ठ) पाठ शोध

ड) सर्वेक्षण

सहाय्यक ग्रंथ :

१.	हिंदी अनुसंधान	-	डॉ. विजयपाल सिंह, राजपाल ॲण्ड सन्स, दिल्ली.
२.	शोध प्रविधि	-	डॉ. विनय मोहन शर्मा, नॅशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली.
३.	अनुसंधान का स्वरूप	-	डॉ. भ.ह. राजूरकर, डॉ. राजमल बोरा, नॅशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली.
४.	साहित्यिक शोध के आयाम	-	डॉ. भ.ह. राजूरकर, डॉ. राजमल बोरा, नॅशनल पब्लिशिंग हाऊस,दिल्ली.

स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाडा विद्यापीठ, नांदेड

एम.फिल्. (हिंदी) पाठ्यक्रम

(जून २०१० से आगे)

पाठ्यक्रम - २

==========

पाठ्यक्रम - २ पाठ्यक्रम - २ समीक्षा के विकसित मान तथा साहित्य और समवर्गी विद्याशाखाएँ

अ) हिंदी आलोचना : विकासात्मक अध्ययन

१) आचार्य रामचंद्र शुक्ल की आलोचना

२) द्विवेदी काल : सैध्दांतिक एवं व्यावहारिक रूपों का विकास और उत्कर्ष

३) छायावाद और उसके बाद की हिंदी आलोचना

४) आलोचना की नई दिशाएँ

आ) हिंदी के प्रमुख आलोचक

१) आचार्य रामचंद्र शुक्ल

२) आचार्य नंददुलारे वाजपेयी

३) आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी

४) डॉ. रामविलास शर्मा

५) डॉ. नामवर सिंह

६) ग.मा. मुक्तिबोध

७) डॉ. नगेंद्र

इ) आलोचना की दृष्टियाँ

१) प्रभाववादी आलोचना

२) सौंदर्यवादी आलोचना

३) ऐतिहासिक आलोचना

४) मनौवैज्ञानिक आलोचना

५) मार्क्सवादी आलोचना

६) तुलनात्मक आलोचना

७) नयी आलोचना

ई) विभिन्न वाद :

१)	आदर्शवाद	२)	यथार्थवाद
३)	बिम्बवाद	४)	प्रतीकवाद
५)	अभिव्यंजनवाद	६)	अस्तित्ववाद
७)	कलावाद	८)	संरचनावाद

सहाय्यक ग्रंथ :

१. हिंदी आलोचना : शिखरों का साक्षात्कार - डॉ. रामचंद्र तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद.

२. हिंदी का गद्य साहित्य - डॉ. रामचंद्र तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद.

३. हिंदी आलोचना की बीसवीं सदी - डॉ. निर्मला जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली.

४. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी समीक्षा सिद्धांत - डॉ. ब्रह्मदेव मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद.

५. हिंदी आलोचना के आधारस्तंभ - रामेश्वर खंडेलवाल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद.

६. पाश्चात्य साहित्य शास्त्र : इतिहास, सिद्धांत, वाद - भगिरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी.

७. नया काव्यशास्त्र - भगिरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी.

८. पाश्चात्य साहित्य चिंतन - निर्मला जैन, कुसुम बांठिया , राधाकृष्ण प्रकाशन,दिल्ली.

९. हिंदी साहित्य का नवीन इतिहास - डॉ. लालसिंह,विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी.

स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाडा विद्यापीठ, नांदेड

एम.फिल्. (हिंदी) पाठ्यक्रम

(जून २०१० से आगे)

पाठ्यक्रम - ३

==========

पाठ्यक्रम - ३ तुलनात्मक साहित्य

१) तुलनात्मक साहित्य : परिभाषा और स्वरूप

१.१) विधाओं का तुलनात्मक अध्ययन

i) एक या भिन्न भाषाओं की विधाओं तुलनात्मक अध्ययन

ii) विधाओं के रूपांतरण का तुलनात्मक अध्ययन

२) तुलनात्मक साहित्य : प्रविधि

२.१) कृति और साहित्यकार के संदर्भ में युग, दर्शन, साहित्य विधा, भाषा आदि का तुलनात्मक अध्ययन

३) तुलनात्मक साहित्य : अध्ययन क्षेत्र

३.१) एक भाषा के दो साहित्यकारों का तुलनात्मक अध्ययन

३.२) एक भाषा की दो कृतियों का तुलनात्मक अध्ययन

३.३) भिन्न भाषा की दो कृतियों का तुलनात्मक अध्ययन

३.४) भिन्न भाषा के दो साहित्यकारों का तुलनात्मक अध्ययन

४) तुलनात्मक साहित्य और अनुवाद

४.१) तुलनात्मक साहित्य में अनुवाद का महत्त्व

सहाय्यक ग्रंथ :

१.	तुलनात्मक साहित्य	-	इंद्रनाथ चौधरी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली.
२.	तुलनात्मक साहित्य	-	एन.ई. विश्वनाथ अय्यर, विद्याविहार प्रकाशन, नई दिल्ली.
३.	तुलनात्मक साहित्य	-	डॉ. राजमल बोरा, नॅशनल पब्लिशिंग हाऊस, नई दिल्ली.
४.	तुलनात्मक शोध और समीक्षा	-	डॉ. पी. आदेश्वरराव, प्रगति प्रकाशन, आगरा
५.	तुलनात्मक अध्ययन : स्वरुप और समस्याएँ	-	डॉ. भ.ह. राजूरकर,डॉ. राजमल बोरा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली.
६.	अनुवाद सिद्धांत एवं प्रयोग	-	डॉ. जी.गोपीनाथन्, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद.

स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाडा विद्यापीठ, नांदेड

एम.फिल्. (हिंदी) पाठ्यक्रम

(जून २०१० से आगे)

पाठ्यक्रम - ४

==========

पाठ्यक्रम - ४ विधा, रचना या रचनाकार का प्रवृत्तिगत अध्ययन

(पाठ्यक्रम ४ में पाँच प्रश्न पत्र होंगे जो एक दूसरे के विकल्प में होंगे।
इनमें से प्रतिवर्ष एक नया प्रश्न पत्र लेना होगा।)

विधा, रचना या रचनाकार का प्रवृत्तिगत अध्ययन - (आधुनिक कविता)

१) आधुनिक कविता की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

२) आधुनिक कविता का प्रवृत्तिगत इतिहास

३) साकेत - मैथिलीशरण गुप्त

४) सायें में धूप - दुष्यंत कुमार

सहाय्यक ग्रंथ :

१) हिंदी महाकाव्य सिद्धांत और मूल्यांकन - देवीप्रसाद गुप्त, अपोलो पब्लिकेशन, जयपुर

२) महाकाव्य विवेचन - डॉ. रांगेय राघव, सूर्यप्रकाशन मंदिर, बिकानेर

३) साकेत की टिका - शर्मा ब्रजभूषण, अशोक प्रकाशन, नई दिल्ली

४) मैथिलीशरण गुप्त और साकेत - शर्मा राजकुमार, पद्म बुक कंपनी, जयपूर

५) दुष्यंतकुमार और सुरेश भट की गजलों का सामाजिक चिंतन - डॉ. अलका निकम(वागदरे), अभय प्रकाशन, कानपूर

६) हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. रामचंद्र शुक्ल

७) हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. नगेंद्र, मयुर प्रकाशन, नौएडा

८) हिंदी साहित्य युग और प्रवृत्तियाँ - डॉ. शिवकुमार शर्मा,अशोक प्रकाशन, नई सडक, नई दिल्ली

९) समकालिन कविता : विचार-आत्मकथा - विरेंद्रसिंह, पंचशील प्रकाशन, जयपुर

१०) दुष्यंतकुमार व्यक्तित्त्व एवं कृतित्व - डॉ. गिरीष त्रिवेदी, विकास प्रकाशन, कानपुर

विकल्प में

विधा, रचना या रचनाकार का प्रवृत्तिगत अध्ययन - (उपन्यास)

१) हिंदी उपन्यास विधा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

२) हिंदी उपन्यास का विकासात्मक अध्ययन

३) चित्रलेखा - भगवतीचरण वर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली.

४) धरती धन न अपना - जगदीशचंद्र

सहाय्यक ग्रंथ :

१)	उपन्यास कला	-	प्रताप नारायण टंडन
२)	हिंदी उपन्यास : उद्‌भव और विकास	-	हेतु भारद्वाज, डॉ. सुमनलता, पंचशील प्रकाशन, जयपुर
३)	उपन्यासकार भगवतीचरण वर्मा: एक अध्ययन	-	डॉ. ललिता अरोडा, विकास प्रकाशन, कानपुर
४)	चित्रलेखा का शैलिगत अध्ययन	-	डॉ. जसपाली चौहान, विकास प्रकाशन, कानपुर
५)	भगवतीचरण वर्मा के उपन्यासों में नारी	-	डॉ. नीता रन्तेश

विकल्प में

विधा, रचना या रचनाकार का प्रवृत्तिगत अध्ययन -(नाटक)

१) हिंदी नाटक की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

२) हिंदी नाटक का विकासात्मक अध्ययन

३) आधे-अधूरे - मोहन राकेश

४) एक और द्रोणाचार्य - शंकर शेष

सहाय्यक ग्रंथ :

१)	हिंदी नाटक उद्‌भव और विकास	-	डॉ. हेतु भारद्वाज, डॉ. सुमनलता, पंचशील प्रकाशन, जयपूर
२)	मोहन राकेश एक अध्ययन	-	डॉ. कविता अरोडा, समता प्रकाशन, कानपुर
३)	नाटक विधा की शिल्पविधी का विकास	-	
४)	शंकर शेष का नाटक साहित्य	-	डॉ. प्रकाश जाधव, साहित्य रत्नालय प्रकाशन, कानपुर
५)	रंगधर्मी नाटककार, शंकर शेष	-	डॉ. प्रकाश जाधव, विकास प्रकाशन, कानपुर
६)	शंकर शेष का नाट्यसृजन	-	डॉ. प्रकाश जाधव, समता प्रकाशन, कानपुर

विकल्प में

विधा, रचना या रचनाकार का प्रवृत्तिगत अध्ययन -(दलित विमर्श)

१) दलित साहित्य की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

२) दलित साहित्य की विशेषताएँ

३) मेरा बचपन मेरे कंधे पर - श्यौराजसिंह बेचैन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली.

४) संघर्ष - कहानी संग्रह - सुशीला टाकभौरे, शरद प्रकाशन, शील-२, गोपाल नगर,तिसरा बसस्टॉप, नागपूर -४४००२२.

सहाय्यक ग्रंथ :

१) दलित क्रांति का साहित्य - डॉ. श्यौराजसिंह बेचैन, संगीता प्रकाशन, दिल्ली

२) दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र - ओमप्रकाश वाल्मिकी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

३) दलित साहित्य की भूमिका - हरपालसिंह 'अरुण', जवाहर पुस्तकालय, सदर बाजार, मथुरा, उत्तरप्रदेश

४) दलित विमर्श की भूमिका - कमलभारती, साहित्यबोध प्रकाशन, इलाहाबाद

५) दलित विमर्श - नृसिंहदास वनकर,चिंतन प्रकाशन, कानपूर

विकल्प में

विधा, रचना या रचनाकार का प्रवृत्तिगत अध्ययन -(स्त्री विमर्श)

१) स्त्रीवादी साहित्य की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

२) स्त्रीवादी साहित्य की विशेषताएँ

३) हादसे - आत्मकथा - रमणीका गुप्त, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

४) चाक- उपन्यास- मैत्रेय पुष्पा - राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

सहाय्यक ग्रंथ :

१) स्त्री विशर्म के असली नकली चेहरे - डॉ.ब्रजकुमार पांडे,साहित्य संसद, नई दिल्ली.

२) समकालिन महिला लेखन - डॉ. ओमप्रकाश शर्मा, पूजा प्रकाशन, नई दिल्ली.

३) स्त्री सशक्तिकरण के विविध आयाम - संपादक डॉ. ऋषभदेव शर्मा, गीता प्रकाशन, हैद्राबाद

४) स्त्री का समय - क्षमा शर्मा, मेधा बुक्स, नई दिल्ली

५) स्त्रीवाद और हिंदी की महिला उपन्यासकार - डॉ. वैशाली देशपांडे, विकास प्रकाशन,कानपुर

६) आठवे दशक की लेखिकाओं के उपन्यासों में व्यक्त स्त्री चरित्र - डॉ. सविता किर्ते, विनय प्रकाशन, कानपुरa